

रसूलो पर ईमान लाने का मतलब क्या है?



संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

■ राहे अमल हिन्दी से लिप्यान्तरण किया हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

रसूलो पर ईमान लाने के बाद जरूरी है की ईन्सान अपनी
जवाहिश, अपने इरादे और अपने दिली इज्जत को
रसूल की लाई हुयी हियायत के ताबे करदे, कुरान के हाथ मे
अपनी जवाहिश की लगाम देदे, अगर कोई ऐसा न करे तो
रसूल पर ईमान लाने का कोई मतलब नही. [मिशकात; रावी
अब्दुल्लाह बिन अम्र रही रिवायत का जुलासा]

■ बात करने और अजलक का बेहतरीन मेयार

रसूलुल्लाह ﷺ ने इरमाया- बेहतरीन कलाम (बात)
अल्लाह की किताब और बेहतरीन सीरत मुहम्मद ﷺ का
सीरत हैं जिसकी पैरवी कि जानी चाहिये. [मुस्लिम; रावी जाबिर रही
रिवायत का जुलासा]

◆ सुन्नत और दिल की पाकिज़गी



رسولُﷺ ने कहा मैं मेरे प्यारे भेटे,
अगर तू इस तरह जिन्दगी गुज़ार सके की
तेरे दिल में किसी की बाधभावही न हो तो
ऐसी ही जिन्दगी बसर कर, फिर इरमाया और यही मेरा
तरीका है की मेरे दिल में किसी के लिये ખોટ नही और जिसने
मेरी सुन्नत से मुहब्बत की तो बेशक उसने मुझसे मुहब्बत
की और जिसने मुझसे मुहब्बत की वो जन्नत में मेरे साथ
रहेगा। [मुस्लिम; रावी अनस रही रिवायत का फुलासा]

◆ ईत्ताते रसूलﷺ का सही तरीका

तीन आदमी रसूलुल्लाहﷺ की ईबादत के बारे में मालूमात
हासिल करने के लिये रसूलुल्लाहﷺ की बीपियों के पास
आये, जब उन्हें बताया गया तो उन्होंने अपनी ईबादत
की मिकदार को कम जाना उन्होंने अपने दिल में सोचा की
रसूलुल्लाहﷺ से हमारा क्या मुकाबला? उनसे न तो पहले
गुनाह हुये और न बाद में होंगे और हम मासूम नहीं तो
हमें ज़ियादा से ज़ियादा ईबादत करनी चाहिये. चुनांचे

ਉਨਮੇ ਸੇ ਐਕ ਨੇ ਅਪਨੇ ਲਿਯੇ ਧਹ ਤਧ ਕ੍ਰਿਯਾ
 ਕੀ ਧੋ ਹਮੇਸ਼ਾ ਪੂਰੀ ਰਾਤ ਨਫ਼ਲ ਨਮਾਜ਼ੋ ਮੇ
 ਗੁਜ਼ਰੇਗਾ, ਐਰ ਦੂਸਰੇ ਨੇ ਧਹ ਕਹਾ ਕੀ ਮੇ ਹਮੇਸ਼ਾ
 ਨਫ਼ਲੀ ਰੋਜ਼ੇ ਰਖੁਗਾ, ਦਿਨ ਮੇ ਕਭੀ ਯਾਨਾ ਨਹੀ
 ਯਾਉਂਗਾ ਐਰ ਤੀਸਰੇ ਨੇ ਕਹਾ ਮੇ ਐਰਤੋ ਸੇ ਅਲਗ ਰਹੂੰਗਾ,
 ਕਭੀ ਸ਼ਾਈ ਨਹੀ ਕਰੂੰਗਾ.



ਜਬ ਰਸੂਲੁਲਾਹ ﷺ ਕੋ ਈਸਕੀ ਯਯਰ ਮਿਲੀ ਤੋ ਆਪ ਉਨਕੇ
 ਪਾਸ ਗਯੇ ਐਰ ਕਹਾ ਕ੍ਰਿਯਾ ਧੋ ਤੁਮ ਹੀ ਲੋਗ ਹੋ ਜਿਨ੍ਹੋਂ ਨੇ ਨੇ
 ਐਸਾ ਐਸਾ ਕਹਾ, ਫ਼ਿਰ ਰਸੂਲੁਲਾਹ ﷺ ਨੇ ਫ਼ਰਮਾਯਾ ਧਕੀਨਨ ਮੇ
 ਤੁਮਸੇ ਜ਼ਿਯਾਦਾ ਅਲਾਹ ਸੇ ਡਰਨੇ ਧਾਲਾ, ਐਰ ਉਸਕੀ
 ਨਾਫ਼ਰਮਾਨੀ ਸੇ ਯਧਨੇ ਧਾਲਾ ਹੁ, ਲੇਕਿਨ ਏਯੋ ਮੇ ਨਫ਼ਲੀ ਰੋਜ਼ੇ
 ਕਭੀ ਰਖਤਾ ਹੁ ਕਭੀ ਨਹੀ ਰਖਤਾ, ਈਸੀ ਤਰਹ ਮੇ ਰਾਤ ਮੇ
 ਨਧਾਫ਼ਿਲ ਭੀ ਪਛਤਾ ਹੁ ਐਰ ਸੋਤਾ ਭੀ ਹੁ, ਐਰ ਏਯੋ ਮੇ
 ਭੀਧਿਯਾ ਭੀ ਰਖਤਾ ਹੁ, ਤੋ ਤੁਮ੍ਹਾਰੇ ਲਿਯੇ ਯੈਰਿਯਤ ਮੇਰੇ ਤਰੀਕੇ
 ਕੀ ਈਧੇਯਾ ਮੇ ਹੈ ਐਰ ਜਿਸਕੀ ਨਿਗਾਹ ਮੇ ਮੇਰੀ ਸੁਨਨਤ ਕੀ
 ਐਹਮਿਯਤ ਨਹੀ, ਜੋ ਮੇਰੀ ਸੁਨਨਤ ਸੇ ਯੇੜਯੀ ਕਰੇ ਉਸਕਾ ਮੁਝਸੇ
 ਕੋਈ ਤਾਲੁਕ ਨਹੀ. [ਮੁਸਲਿਮ; ਰਾਧੀ ਅਨਸ ਰਈ ਰਿਧਾਧਤ ਕਾ ਯੁਲਾਸਾ]

◆ अल्लाह और रसूल ﷺ की

मोहब्बत के तकाजे



रसूलुल्लाह ﷺ से मुहब्बत की वजह से कुछ साथी ने आपके पुत्र का पानी लेकर भरकत के लिये येहरों और हाथ पर मला था यह कोई बुरा काम नहीं था जिस पर रसूलुल्लाह ﷺ उन्हें डांटते, हां आपने उन्हें बताया कि मुहब्बत का उंचा मकाम यह है कि अल्लाह और रसूल ने जो आदेश दिये हैं उन पर अमल किया जाये। रसूलुल्लाह ﷺ जो दीन लाये हैं उसे अपनी जिन्दगी का दीन बनाया जाये जब बात करे तो सय बोले, और जब उनके पास अमानत रखी जाये तो उसे हिफाजत के साथ मालिक के हवाले करे, और पड़ोसियों के साथ अच्छा सुलूक करे। रसूल की फरमाबरदारी करना रसूल की मुहब्बत का सबसे उंचा मकाम है शर्त यह है कि वह रसूल से दिली लगाव के साथ की जाये। [मिशकात; रावी अब्दुर रेहमान बिन अबू करडा रही रिवायत का जुलासा]

◆ ईमान और मोहब्बत रसूल ﷺ

आदमी मोमीन तभी बनता है जब रसूल और उनके लाये

हुवे दीन की मुहब्बत तमाम मुहब्बतों पर
गालिब आ जाये, भेटे की मुहब्बत किसी
और रास्ते पर चलने को केहती है, आप की
मुहब्बत किसी और रास्ते पर चलने को



केहती है, और रसूलुल्लाह ﷺ किसी दूसरे रास्ते पर चलने
को केहते हैं तो जब आदमी सारी मुहब्बतों और उनकी
मांग को छुकरा कर सिर्फ रसूलुल्लाह ﷺ के बताये हुवे रास्ते
पर चलने को तैयार हो जाये तो समझ लीजिये की वो पक्का
मोमीन है, रसूल से मुहब्बत करने वाला है ऐसा ही
आदमी ईस्लाम को चाहिये और ऐसे ही लोग दुनिया की
तारिफ बनाते हैं, कच्चा ईमान बीवी, बच्चो, आप, और
भाई की मुहब्बतों पर कैसी कहां चला सकता है. [बुखारी मुस्लीम;

रावी अनस रही रिवायत का जुलासा]

◆ मुहब्बते रसूल ﷺ और आठमाईश

किसी से मुहब्बत करने और उसे महबूब बनाने का
मतलब क्या होता है? यहीं कि उसकी पसन्द को अपनी
पसन्द और उसकी नापसन्दीदगी को अपनी नापसन्दीदगी

बना दिया जाये महबूब जिस रास्ते पर
चलता है उस रास्ते को अपनी जिन्दगी का
रास्ता बना दिया जाये, उसका करीबी बनने
उसकी संगति और उसकी ખુशी कै लिये हर



चीज कुर्बान की जाये और कुर्बान करने कै लिये तैयार रह
जाये. रसूलुल्लाह ﷺ को महबूब बनाने का मतलब ये है की
आप का अेक अेक नकशे कदम और रास्ते का अेक अेक
निशान मालूम किया जाये और उस पर चला जाये, आप ने
जिस रास्ते मे चोटें ખाई है, उस रास्ते मे चोटें ખाने की
ताकत पैदा की जाये, गार अै हिरा भी आप की राह है और
बदर वा हूनैन भी आप की राह है. दीन की राह पर चलने
के नतीजे मे गरीबी वा झाका की मार पड़ेगी, और मालूम है
की रोज़ की मार सभसे बड़ी मार है उसका मुकाबला सिर्फ़
भरोसा और अल्लाह की मुहब्बत के हथियार से किया जा
सकता है, मोमीन अैसे वक़्त मे ये सोचता है की अल्लाह
मेरा वकील है मे बेसहारा नहीं हूं, और मे गुलाम हूं, गुलाम
का काम सिर्फ़ अपने मालिक की मरजु पूरी करनी है, और ये

કી મે જિસ કામ પર લગા હુવા હું મેરી
મેહનત મારી નહી જા સકતી ઉસકા ઇસ
ઢંગ પર સોચના હર મુસીબત કો આસાન કર
દેતા હૈ, શૈતાન કે હર હથીયાર કો બેકાર કર
દેતા હૈ. [તિર્મિજી; રાવી અબ્દુલ્લાહ ઇબને મુગહફ્ફલ રદી રિવાયત કા ખુલાસા]

